

कर्तन पुं. (तत्.) 1. कतरनी या काटने का भाव, काटना, कतरना 2. कातना, कताई (सूत की)

कर्तनी पुं. (तत्.) कैंची, (कर्तनिका) चाकू, कटार, काटने या कतरने का उपकरण।

कर्तरि पुं. (तत्.) 1. कर्ता के अनुसार (अनुरूप) 2. कर्ता में, कर्ता के अनुरूप प्रयोग।

कर्तरि प्रयोग पुं. (तत्.) वह प्रयोग जहाँ क्रिया, कर्ता के लिंग, वचन का अनुसरण करती है या उसके अनुसार बदलती है। active voice

कर्तरी स्त्री. (तत्.) कैंची, काटने या कतरने का उपकरण 2. छुरी या कटार।

कर्तव्य पुं. (तत्.) 1. करने योग्य कार्य 2. करणीय, करने योग्य 3. नैतिक, धार्मिक दृष्टि से आवश्यक कार्य 4. धर्म 5. फर्ज 6. उचित काम उदा. सब विधि सब कर्तव्य तुम्हारे - मानस।

कर्तव्य-विमुख वि. (तत्.) जो अपने कर्तव्य का पालन न करता हो।

कर्तव्य-विमूढ वि. (तत्.) घबराहट के कारण या विशेष उलझन में पड़कर जिसे यह न सूझ पड़े कि क्या करना है, भौंचक्का, घबराया हुआ।

कर्ता/कर्त्ता पुं. (तत्.) 1. बनाने या करने वाला व्यक्ति 2. ब्रह्मा, विधाता, ईश्वर 3. जिसे सब कुछ करने का अधिकार हो व्या. कारक का एक भेद वि. 1. किसी कार्य या क्रिया को करने वाला 2. बनाने वाला।

कर्नल पुं. (अं.) सेना का एक वरिष्ठ अधिकारी दो या अधिक वाहिनी के रेजिमेंट का कमांडर। colonel

कर्नाटक-पद्धति स्त्री. (तत्.) दक्षिण भारत में प्रचलित भारत की संगीत की प्रमुख पद्धति जो उत्तर भारतीय या हिंदुस्तानी पद्धति से भिन्न होती है।

कर्पट पुं. (तत्.) कपड़ा, चिथड़ा, फटा कपड़ा, गूदड़ा।

कर्पटिका/कर्पटी वि. (तत्.) जो चिथड़े लपेटे हो 1. पुं. भिखारी 2. दीन या निर्धन व्यक्ति।

कर्पास पुं. (तत्.) 1. कपास 2. रुई।

कर्पूरमणि पुं. (तत्.) हाथ पर धिसे जाने पर तिनकों को आकर्षित करने वाला एक प्रकार का सफेद पत्थर, 'तृणमणि' 2. एक औषध।

कर्बुर वि. (तद्.) दे. कर्बुर।

कर्बला (करबला) पुं. (अर.) वह स्थान जहाँ पर मुसलमानों द्वारा अपने मुहर्रम के ताजियों को दफनाया जाता है।

कर्बुर वि. (तत्.) चितकबरा, रंगबिरंगा पुं. 1. चितकबरा रंग 2. पाप 3. धतूरा 4. सोना 5. कचूर 6. जल।

कर्म पुं. (तत्.) 1. जिसे किया जाए, क्रिया, करनी, काम 2. नैतिक या धार्मिक दृष्टि से कर्तव्य के रूप में किए गए कार्य जैसे- शिक्षक का कर्तव्य, अध्यापन 3. शास्त्र सम्मत विधि-विधान से करने योग्य धार्मिक कार्य, (यथा-वैवाहिक कर्म, अंत्येष्टि कर्म) 4. इंद्रियों द्वारा स्वाभाविक रूप से करने के कार्य 5. तकदीर, भाग्य 6. अनुचित या लोकनिषिद्ध कार्य, करतूत 7. प्रशंसनीय कार्य 8. व्यवसाय विषयक कार्य-शिल्पकर्म, काष्ठ कर्म 9. कौशल व्या. वाक्य में प्रयुक्त पद जिस पर क्रिया का फल या प्रभाव पड़ता है।

कर्मकरी स्त्री. (तत्.) जो काम करती हो, काम करने वाली मजदूरनी।

कर्मकांड पुं. (तत्.) 1. धर्म संबंधी कृत्य या कार्य 2. वेद के विभाग के रूप में वह शास्त्र जिसमें यज्ञ, संस्कार आदि धार्मिक तथा नैमित्तिक कर्मों की विधि आदि को वर्णित किया गया हो 3. धार्मिक कृत्य/कर्म या विधि-विधान।

कर्मकांडकार वि. (तत्.) 1. वह व्यक्ति जो धार्मिक कृत्य या कर्मकांड संपन्न करता हो, कर्मकांडी पंडित-विद्वान 2. कर्मकांड में निपुण।

कर्मकांडपरता स्त्री. (तत्.) विधि विधान युक्त कर्मों में निष्ठा।

कर्मकांडवाद पुं. (तत्.) 1. धार्मिक कर्मकांड से अभीष्ट-प्राप्ति का दृढ़ विश्वास 2. ब्रह्मज्ञान या कल्पना-प्रवण धर्म का विरोधी मत या विश्वास।